ग्रुप ऑफ ट्वेंटी (जी20)

कक्षा IX, X, XI और XII के विद्यार्थियों के लिए एक पाठ्य सामग्री

शिक्षा मंत्रालय

भारत सरकार

ग्रुप ऑफ ट्वेंटी (जी20)

विद्यार्थियो! आप सब जानते हैं और आपने सामाजिक विज्ञान की अपनी कक्षाओं में पढ़ा होगा कि संयुक्त राष्ट्र संगठन (यू. एन. ओ.) जैसा अंतरराष्ट्रीय मंच पूरी दुनिया के देशों को शांति, विकास एवं राष्ट्रों और दुनिया के लोगों को एक साथ लाने और काम करने के लिए, उनके बीच संबंध मजबूत बनाने और सहयोग हेतु अस्तित्व में आया। इनमें से कुछ संगठन वैश्विक स्तर पर हैं, वे अंतरराष्ट्रीय हैं और उनमें से कुछ क्षेत्रीय स्तर पर हैं। संगठन बनाने के लिए देश एक साथ क्यों आते हैं? क्या उनका कोई सामान्य कारण या रुचि है? जी हां। यदि आपने ऐसासोचा है तो आप बिल्कुल सही हैं। वे एक सार्वजानिक हितएवं पारस्परिक लाभ एवं समझ के लिए और दुनिया को रहने की बेहतर जगह बनाने के लिए एक साथ आते हैं।आपने गुट निरपेक्ष आंदोलन (एन. ए. एम.), दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय सहयोग संगठन (सार्क),यूरोपीय संघ और अन्य के बारे में भी सीखा होगा। क्या आप जी20 के बारे में जानते हैं? इसका गठन कैसे हुआ? आइए हम जी20 के बारे में जानें।

विद्यार्थियो! ग्रुप ऑफ़ ट्वेंटी जिसे जी20 के रूप में जाना जाता है, अंतरराष्ट्रीय आर्थिक सहयोग का एक मंच है। भारत जी20 की अध्यक्ष 1 दिसंबर 2022 से 30 नवंबर 2023 तक रहेगा। यह भारत के नागरिकों के लिए और एशिया और अफ्रीका के देशों के लिए और अन्य सभी देशों के लिए भी गौरव का क्षण है क्योंकि भारत ने एक महत्वपूर्ण समय में जी20 की अध्यक्षता संभाली है।यह भी उपयुक्त है कि भारत जी20 का नेतृत्व कर रहा है क्योंकि भारत प्राचीन प्राचीन समय से ही दुनिया के पहले गणराज्य के रूप में लोकतंत्र का जन्म स्थल है। भारत 3000 से अधिक वर्षों से लोकतंत्र की भावना से ओतप्रोत है और हमेशा सहयोग में सबसे आगे रहा है। जी20 फोरम भारत को अपने लोकतांत्रिक लोकाचार को दुनिया के सामने बतानेका अनोखा अवसर देता है।

वर्ष 1999 में एशिया में हुए वित्तीय संकट के बाद वित्त मंत्रियों और केंद्रीय बैंक के गवर्नरों के लिए वैश्विक आर्थिक और वित्तीय मुद्दों पर चर्चा करने के लिए एक मंच के रूप में जी20 की स्थापना की गई थी। जैसा कि आप जानते हैं कि भारत में केंद्रीय बैंक को भारतीय रिजर्व बैंक के नाम से जाना जाता है। अंतरराष्ट्रीय आर्थिक सहयोग के एक प्रमुख मंच के रूप में, जी20

सभी प्रमुख अंतरराष्ट्रीय आर्थिक मुद्दों पर वैश्विक संरचना और शासन को आकार देने और मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

जी20 को अंतरराष्ट्रीय मंच के रूप को इसके सदस्य देशों के आर्थिक और आपसी सहयोग के लिए अपने प्रयासों के माध्यम से पहचाना गया और वर्ष 2007 के वैश्विक वित्तीय संकट के दौरान ग्रुप ऑफ ट्वेंटी को मजबूत किया गया और इसे राष्ट्राध्यक्षों के स्तर तक बढ़ाया गया और इसे 'अंतरराष्ट्रीय आर्थिक सहयोग के लिए प्रमुख मंच' के रूप में जाना गया। इस तरह जी20 अपने सदस्य देशों के बीच आर्थिक सहयोग के लिए वास्तव में एक अंतरराष्ट्रीय संगठन बना है।

जी20 सदस्य कौन-कौन हैं?

जी20 के सदस्य है, 19 देश और एक देशो का संगठन जो यूरोपीय संघ के रूप में जाना जाता है।जी20 के सदस्य है: अर्जेंटीना, ऑस्ट्रेलिया, ब्राजील, कनाडा, चीन, फ्रांस, जर्मनी, भारत, इंडोनेशिया, इटली, जापान, कोरिया गणराज्य, मैक्सिको, रूस, सऊदी अरब, दक्षिण अफ्रीका, तुर्की, यूनाइटेड किंगडम और संयुक्त राज्य अमेरिका और यूरोपियन संघ। इसमें दुनिया भर के देश हैं और ये सदस्य वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद के लगभग 85%, वैश्विक व्यापार के 75% से अधिक और दुनिया की आबादी के लगभग दो-तिहाई का प्रतिनिधित्व करते हैं। यही कारण है कि जी20 वर्तमान आर्थिक, राजनीतिक और सामाजिक-सांस्कृतिक संदर्भों से एक महत्वपूर्ण संगठन है क्योंकि हर देश वैश्वीकरण के संदर्भ में आर्थिक विकास और आत्मनिर्भर देश बनने के लिए स्वयं को सक्षम बनाने का प्रयास करता है।

जी20 प्रतीक चिन्ह

क्या आप जी20 के प्रतीक चिन्ह और इसका अर्थ जानते हैं?

जी20 के प्रतीक चिन्ह को भारत के तत्व और स्वदेशी ज्ञान को व्यक्त करने के लिए बनाया गया है। आप नीचे देख सकते हैं कि यह मानव अस्तित्व की व्यापक दृष्टि को दर्शाता है जिसके अनुसार "वसुधैव कुटुम्बकम",विश्व एक परिवार है। जी20 की वेबसाइट-g20.org को हाल ही में भारत के माननीय प्रधान मंत्री, श्री नरेंद्र मोदी द्वारा लोकार्पित किया गया था और भारत ने पिछली प्रेसीडेंसी, इंडोनेशिया से ट्विटर हैंडल @g20org सहित सभी आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल ले लिए थे।

जी20 प्रतीक चिन्ह को बनाने में **भारत के राष्ट्रीय ध्वज के जीवंत रंगों - केसरिया, सफेद, हरा और नीला से प्रेरणा ली गई है। यह भारत के राष्ट्रीय पुष्प कमल के साथ पृथ्वी ग्रह को जोड़ता है जो चुनौतियों के बीच विकास को दर्शाता है।** इस विषयवस्तु द्वारा सभी जीवन-मानव, पशु, पौधे और सूक्ष्मजीवों, पृथ्वी ग्रह और व्यापक ब्रह्मांड में उनकी परस्पर संबद्धताकेमूल्यों कीपुष्टिहोती है। इसके अलावा, जैसा कि आप देख सकते हैं कि प्रतीक चिन्हमें हमारे राष्ट्रीय पुष्प कमल पर शून्य के स्थान पर पृथ्वी के साथ जी20 बनी है। जिसके नीचे **हिंदी में भारत 2023 और अंग्रेजी में India** लिखा हुआ है। प्राचीन संस्कृत पाठ, महा उपनिषद्का प्रेरक उद्धरण, 'वसुधैव कुटुम्बकम - एक पृथ्वी एक परिवार एक भविष्य' का प्रेरक उद्धरण दुनिया को भारत के संदेश 'विश्व एक परिवार है' को दर्शाता है ***एक साथ जीवन बिताने और एक दूसरे के साथ जीवन बिताने की ज़रूरत*** जी20 की यह विषयवस्तु शांतिपूर्ण, सह-अस्तित्व और आपसी देखभाल की आवश्यकता को रेखांकित करता है। इससे दुनिया के देशों एवं लोगों को हमारे और हमारी आने वाली पीढ़ियों के लिए एक बेहतर दुनिया बनाने के महत्व को समझने और महसूस करने में मदद मिलती है।

<u>जी20 कार्यसूची क्या हैं?</u>

यदि हम बारीकी से ध्यान दें तो जी20 को आर्थिक सहयोग के एक मंच के रूप में लोकार्पित किया गया था, जो मुख्य रूप से व्यापक समष्टि अर्थशास्त्र (मैक्रोइकॉनॉमिक) के मुद्दों पर केंद्रित था, लेकिन समय के साथ और आवश्यकता को पहचानते हुए इसके कार्यसूची का विस्तार किया है और इसमें **व्यापार, जलवायु परिवर्तन, सतत विकास, स्वास्थ्य, कृषि, ऊर्जा, पर्यावरण और भ्रष्टाचार विरोधी कार्य** शामिल हैं। जी20 की कार्यसूची और जनादेश में अब अपने सदस्यों के लिए वर्तमान समय की जरूरतों पर विचार-विमर्श करने और उन्हें लाभान्वित करने को दर्शाता है।

जी20 अध्यक्ष जी20 कार्यसूची को कैसे संचालित करती है?

- जी20 में दो समानांतर ट्रैक होते हैं : वित्त (फाइनेंस) ट्रैक और शेरपा ट्रैक
- वित्त मंत्री और केंद्रीय बैंक (भारतीय रिज़र्व बैंक)के गवर्नर वित्त ट्रैक का नेतृत्व करते हैं
- वित्त ट्रैक के बाद शेरपा द्वारा **शेरपा ट्रैक** का नेतृत्व किया जाता है।
- शेरपा एक सरकार का प्रमुख या सरकार के प्रमुख का प्रतिनिधि होता है जो एक अंतरराष्ट्रीय शिखर सम्मेलन समन्वय करता है। यह नाम नेपाली जातीय समुदाय शेरपा लोगों से लिया गया है, जो हिमालय में मार्गदर्शक के रूप में काम करते हैं। इसलिए यह नाम दिया गया है।
- दो ट्रैको के अंदर, सदस्यों के संबंधित मंत्रालयों के साथ-साथ अतिथि देशों और आमंत्रित अंतरराष्ट्रीय संगठनों से विषयगत रूप से उन्मुख कार्य समूहों का प्रतिनिधित्व किया जाता है।
- अध्यक्षता के पूरे कार्यकाल के दौरान ये कार्यकारी समूह नियमित रूप से बैठकें करते हैं। शेरपा वर्ष के दौरान वार्ता का निरीक्षण करते हैं, शिखर सम्मेलन के लिए कार्यसूची मदों पर चर्चा करते हैं और जी20 के मूल कार्य का समन्वय करते हैं।

  ऐसे नियुक्ति समूह भी हैं जिनमें जी20 देशों के नागरिक समाजों, सांसदों, थिंक टैंकों, महिलाओं, युवाओं, श्रम, व्यापारों और शोधकर्ताओं को एक साथ लाया जाता है।

<u>पर्यावरण के लिए जीवन शैली (एलआईएफई)</u>

जी20 एजेंडा में एक थीम है एल.आई.एफ.ई. (लाइफ स्टाइल फॉर एनवायर्नमेंट) की अवधारणा,जिसका उद्देश्य सतत जीवन के लिए प्रकृति के साथ सामंजस्य बनाकर रहना है। वर्ष 2021 में ग्लासगो में पार्टियों के सम्मेलन 26 (सीओपी 26) में हमारे प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा इस विचार को प्रतिपादित किया गया था। हम जानते हैं कि पर्यावरण पतन से हर क्षेत्र के लोगों के जीवन पर प्रभावपढ़ रहा है। एल.आई.एफ.ई.में ऐसे जीवन जीने के तरीके की परिकल्पना की गई है जिसमें प्रकृति और अन्य जीवजो मानव के साथ सह-अस्तित्व में सम्मान पूरक रहते हुए, एक हरी भरी और स्वच्छ पृथ्वी के लिए साथ साथ रहते है।

जी20के प्रयास और गतिविधियां क्या हैं?

जी20 में दुनिया की प्रमुख विकसित और विकासशील अर्थव्यवस्थाओं को एक साथ लाया जाता है, जिससे यह अंतरराष्ट्रीय आर्थिक सहयोग का एक प्रमुख मंच बन जाता है। आइए इसे थोड़ा और समझते हैं। यह एक ऐसा मंच है जो विकसित और विकासशील अर्थव्यवस्थाओं को एक दूसरे से पारस्परिक रूप से लाभान्वित करने के लिए आपस में जोड़ता है। एक तरह से यह मंच विश्व अर्थव्यवस्थाओं के बीच असमानता और विषमता को कम करने का प्रयास करता है।

भारत सरकार ने अपनी अध्यक्षता के दौरान देश भर में कई गतिविधियों, कार्यक्रमों की शुरुआत की है। जी20 को जनता के करीब ले जाना और इसे सही अर्थों में **'जनता का जी20'** बनाना एक मुख्य प्रयास होगा। इसे अनुभव करने के लिए वर्ष भर विभिन्न **जनभागीदारी** गतिविधियों के माध्यम से नागरिकों के जुड़ाव और बड़े पैमाने पर सार्वजनिक भागीदारी की योजना बनाई गई है। भारत में 32 विभिन्न कार्यक्षेत्रों में 50 से अधिक शहरों में 200 से अधिक बैठकों की मेजबानी की जाएगी, और जी20 प्रतिनिधियों और मेहमानों को भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत की एक झलक पेश करने और उन्हें एक अद्वितीय भारतीय अनुभव प्रदान करने का अवसर मिलेगा। दिसंबर 2022 के दौरान कोहिमा में आयोजित हॉर्नबिल फेस्टिवल में जब भारत ने जी20 की अध्यक्षता संभाली तो जी20 पर विशेष ध्यान दिया गया। कुछ यूनेस्को विश्व धरोहर स्थलों सहित एक सौ स्मारकों को प्रकाश से सजाया गया था और MyGov पर इन रोशनी से जगमगाते स्मारकों के साथ एक सेल्फी अभियान में शामिल होने के लिए नागरिकों को आमंत्रित किया गया था।

कुछ देशों और अंतरराष्ट्रीय संगठनों को जी20 शिखर सम्मेलन और बैठकों में अतिथि के रूप में आमंत्रित किया जाता है। ये इस बार के अतिथि देश हैं।

अतिथि देश

अंतरराष्ट्रीय संगठनों को अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया

संयुक्त राष्ट्र, अंतरराष्ट्रीय निगरानी निधि (आई.एम.एफ.), विश्व बैंक (डब्ल्यू.बी.), विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यू.एच.ओ.), विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यू.टी.ओ.), अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन (आई.एल.ओ.), वित्तीय स्थिरता बोर्ड (एफ.एस.बी.) आर्थिक सहयोग संगठन और विकास (ओ.ई.सी.डी.) और कई अन्य क्षेत्रीय संगठन जैसे एशियाई विकास बैंक (ए.डी.बी.)।

छात्रों के लिए कौन सी गतिविधियाँ हैं?

स्कूल और विश्वविद्यालय के छात्रों के लिए इसमें कई गतिविधियाँ और कार्यक्रम हैं। कुछ गतिविधियां पहले ही शुरू की जा चुकी हैं। ये गतिविधियाँ इस प्रकार हैं:

- जी20 पर सामान्य जागरूकता प्रश्नोत्तरी
- पर्यावरण के लिए जीवन शैली (LiFE) प्रश्नोत्तरी
- जी20पर नारा लेखन प्रतियोगिता

ये दोनों प्रश्नोत्तरी और नारा (सलोगन)लेखन प्रतियोगिता https://quiz.mygov.in पर उपलब्ध हैं

- स्कूली छात्रों के लिए प्रौद्योगिकी गतिविधियों {संवर्धित वास्तविकता (एआर), आभासी वास्तविकता (वीआर)}कीसर्वोत्तम प्रथाओं की प्रदर्शनी।
- विज्ञान प्रदर्शनियां

स्कूली विद्यार्थियों के इसमें भाग लेने और जी20 को विद्यार्थियों, अध्यापकों और लोगों के करीब लाने के लिए कई और गतिविधियाँ हैं। विद्यार्थियों आप जी20 वेबसाइट g20.org और शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार की वेबसाइट और एनसीईआरटी की समर्पित वेबसाइट से भी यह देख सकते हैं। ।

विद्यार्थियो हमने जी20, इसके उद्देश्यों, गतिविधियों के बारे में और कैसे भारत की अध्यक्षता में सभी को भाग लेने और योगदान देने के लिए गतिविधियों में हिस्सा लेने के बारे मे सीखा है। अब जी20 पर अपने अध्ययन के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों को हल करने का प्रयास करें।

1. आपके विचार से भारत अपनी जी20 अध्यक्षता से कैसे लाभ प्राप्त कर सकता है**?**
2. भारत अध्यक्ष के रूप मै जी20 देशो को क्या पेशकश कर सकता है**?**
3. एक विद्यार्थी के रूप में भारत के प्रधान मंत्री को जी-20 और अन्य देशों के लिए जी-20 एजेंडा में स्कूली विद्यार्थियों के लिए एक महत्वपूर्ण विचार, बिंदु या कार्रवाई का सुझाव देते हुए एक पत्र लिखें**?**
4. जी20 देशों और उनके नेताओं को एक हरित और स्वच्छ वातावरण के लिए आप क्या सुझाव देंगे**?**